

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 19 नवम्बर, 2007

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय में वेतनादि के भुगतान हेतु आवश्यकता से
न्यून धनराशि होने के कारण पुनर्विनिर्माण के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक अर्थ-1/41062/5क(14)/01/2007-08, दिनांक
19 अक्टूबर, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू
वित्तीय वर्ष 2007-08 में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र में उल्लिखित विवरणानुसार माध्यमिक शिक्षा
के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में पुनर्विनिर्माण के माध्यम से आयोजनागत पक्ष में ₹0 54,43,000
(₹0 चवन लाख, तैतालिस हजार मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति
प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर किया जायेगा
और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन
हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के
तहत नियमानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के
अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति
/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त धनराशि को किसी भी ऐसी मद पर व्यय
न किया जाये जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुवेल के नियमों के
अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याक्षा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार
चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने
वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (5) आयोजनागत पक्ष में स्वीकृत की जा रही धनराशि को नियोजन विभाग द्वारा
सम्बन्धित योजनाओं में आवंटित परिव्यय की सीमा तक ही व्यय को सीमित रखे
जाने का दायित्व शिक्षा निदेशक का होगा।

अर्थ

कमश:.....2

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-31 आयोजनागत के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-03-राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना के अधीन संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-653(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007, दिनांक 12 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।
संलग्नक:-बी0एम0-15

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव

संख्या 1601(1)/XXIV-3/07/02(20)/2007, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 11- कम्प्यूटर सैल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 12- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(मौ0एल0शाह)

उप सचिव

निर्गतक अधिकारी- सचिव, विद्यालयी शिक्षा

प्रशासनिक विभाग-माध्यमिक शिक्षा

धनराशि हजार में

वित्तीय वर्ष 2007-08

अनुदान संख्या-31		वित्तीय वर्ष 2007-08					आयोजनागत	
वजेट प्राविधान तथा लेखाश्रीर्षक का विवरण	मानक नदवार अथवा अधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस धनराशि	लेखाश्रीर्षक, जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ 5 में कुल धनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद अशेष धनराशि स्तम्भ 7 में	अभ्युक्ति	
1	2	3	4	5	6	7	8	
2202-सामान्य शिक्षा				2202-सामान्य शिक्षा			वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में वेतनादि मदों में आवश्यकता से अत्यधिक न्यून धनराशि प्राविधानित हुई है। अतः कालम-5 के अनुसार अविभाज्य धनराशि की देतन मुरतान हेतु आवश्यकता है।	
02-माध्यमिक शिक्षा				02-माध्यमिक शिक्षा				
796-जनजातीय क्षेत्र उपयोगिता				796-जनजातीय क्षेत्र उपयोगिता				
03-राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना				03-राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना				
04-यात्रा व्यय	270	35	170	01-वेतन	2474	3074	100	
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	100	0	100	03-महंगाई भत्ता	1484	2384	0	
10-जलकर	540	0	20	06-अन्य भत्तों	248	413	20	
11-लेखन सामग्री	540	237	0	48-महंगाई देतन	1237	1967	237	
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	1350	0	0				0	
26-परीने और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	2700	0	0				0	
27-चिकित्सा व्यय	200	0	0				0	
45-अवकाश यात्रा व्यय	100	0	0				0	
सम्पूर्ण योग	5800	302	55	5443	5443	8758	357	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट मैच्युवन के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 का उल्लंघन नहीं होता है।



(पी0एम0शाह)

उप सचिव

संख्या-6531/P/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007

देहरादून:दिनांक 12 नवम्बर 2007

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(एन० एन० थपलियाल)
अपर सचिव

सेवा में,

महालेखाकार,
(लेखा एवं हकदारी)
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या-1601(1)/XXIV-3/2007/02(20)/2007, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3-वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 4-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सी)
(पी०एल०शाह)
उप सचिव